भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1648

उत्तर देने की तारीख 10.03.2025

वैश्विक सहभागिता योजना

1648. श्री गोडम नागेश :
श्री भर्तृहरि महताब :
श्री प्रवीण पटेल :
सुश्री कंगना रनौत :
श्री नव चरण माझी :
श्रीमती स्मिता उदय वाघ :
श्री आलोक शर्मा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार वैश्विक सहभागिता योजना के माध्यम से विशेषकर महाराष्ट्र में नृत्य, संगीत, कला और वास्तुकला जैसे भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं को किस प्रकार प्रदर्शित करने की योजना बना रही है;

(ख) क्या सरकार का वैश्विक सहभागिता योजना के एक भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक संगठनों अथवा संस्थाओं के साथ कोई सहयोग है;

(ग) यदि हां, तो महाराष्ट्र के कलाकारों अथवा संस्थानों की किन्हीं विशिष्ट भागीदारी सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वैश्विक सहभागिता योजना से वैश्विक मंचों पर भारतीय आर्टिस्टों, कलाकारों और सांस्कृतिक राजदूतों को किस प्रकार सहायता मिलने की संभावना है; और

(ड.) क्या सरकार ने महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए इस योजना के अंतर्गत कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय की 'वैश्विक भागीदारी स्कीम' का उद्देश्य महाराष्ट्र सहित भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना और भारत की वैश्विक छवि को संवर्धित करना है।

इसके मुख्य उद्देश्यों में विदेशों के साथ सांस्कृतिक संबंध मजबूत करना, द्विपक्षीय सांस्कृतिक संपर्कों को बढ़ावा देना, विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाना और इनबाउंड पर्यटन को प्रोत्साहित करना शामिल है।

वैश्विक भागीदारी स्कीम विदेश में स्थित भारतीय मिशनों के माध्यम से संचालित की जाती है और इसके निम्नलिखित 03 घटक हैं:

I) भारत महोत्सव:

भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर तले विदेश में प्रदर्शन करने का अवसर दिया जाता है। लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतली कला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रयोगात्मक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि सहित लोक कलाओं जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेश में 'भारत महोत्सव' में प्रदर्शन करते हैं।

II) **भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान:** भारत और संबंधित विदेश देश के बीच घनिष्ठ मैत्री और सांस्कृतिक संपर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमारे भारतीय मिशनों के माध्यम से विदेशों में सक्रिय रूप से कार्यरत भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान जारी किया जाता है।

III) अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को योगदान अनुदान:

भारत जिन अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, उन्हें निधियां जारी की जाती हैं।

(ख) और (ग): भारत संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) का सदस्य देश है और यूनेस्को के कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक सम्मेलनों का भाग है जैसे कि विश्व विरासत संबंधी 1972 का कन्वेंशन, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा हेतु 2003 का कन्वेंशन, सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की विविधता के संरक्षण और संवर्धन पर 2005 का कन्वेंशन, यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन), मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (एमओडब्ल्यू) कार्यक्रम। भारत सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण और पुनरुद्धार के अध्ययन हेतु अंतरराष्ट्रीय केंद्र (आईसीसीआरओएम), विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) जैसे अंतर सरकारी संगठनों का भी सदस्य है।

किसी भी देश की संस्थाओं के साथ विशिष्ट भागीदारी का कोई प्रावधान नहीं है।

(घ) और (ङ): वैश्विक भागीदारी स्कीम के "भारत महोत्सव" घटक के अंतर्गत, "भारत महोत्सव" में प्रदर्शन करने के लिए किसी कलाकार की प्रतिनियुक्ति पर होने वाला सारा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाता है। संस्कृति मंत्रालय ने विभिन्न कला रूपों के अंतर्गत महाराष्ट्र सहित पूरे भारत से कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है और विदेशों में भारत महोत्सवों में प्रदर्शन करने के लिए कलाकारों का चयन पैनलबद्ध सूची में से किया जाता है।

वर्तमान में, मंत्रालय के साथ पैनलबद्ध 627 कलाकारों/समूहों में से 37 कलाकार/समूह महाराष्ट्र से पैनलबद्ध हैं। इनमें से 7 कलाकारों/मंडलियों को विदेशों में भारत के निम्नलिखित महोत्सवों में प्रदर्शन करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है:

- ओमान, नीदरलैंड, घाना (2016-17),
- वेनेजुएला और वियतनाम - फ्रीडम 70 कार्यक्रम (2017-18)
- कतर (2018-19)
- दक्षिण अफ्रीका (2019-20)।

*****